

एनएचआरसी सरख्त: तीन महिला पत्रकारों से उत्पीड़न पर जताई नाराजगी दिल्ली पुलिस से दो हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

एनएचआरसी ने गुरुवार को कहा कि उसने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को एक न्यूज रिपोर्ट के आधार पर नोटिस जारी किया है। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 3 अक्तूबर को जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान शहर के पुलिसकर्मियों ने तीन महिला पत्रकारों के साथ कथित तौर पर उत्पीड़न किया।

एनएचआरसी ने क्या कहा?

नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन ने कहा है कि अगर न्यूज रिपोर्ट की बातें सच हैं, तो यह मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। एक बयान में, मानवाधिकार आयोग ने कहा कि उसने 'मीडिया रिपोर्ट का स्वत संज्ञान लिया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के जवानों ने तीन महिला पत्रकारों का यौन उत्पीड़न किया'।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन

राहुल-प्रियंका ने राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि दी, खड़गे बोले- सरकार वोट देने का अधिकार छीन रही



○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में विपक्ष ने दिल्ली में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन किया। राहुल-प्रियंका गांधी और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने पहले कर्नाट प्लेस में लंच किया, फिर बसों से राजघाट पहुंचे। प्रदर्शन को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। राजघाट पर करीब एक घंटे इंतजार के बाद उन्हें अंदर जाने दिया। यहां सांसदों ने बापू को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले खड़गे ने कहा था कि वे गांधीजी से प्रार्थना करेंगे कि सरकार को सद्बुद्धि दे। वह लोगों का वोट देने का अधिकार न छीने।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं शिंजो आबे की पत्नी अकी, बोलीं- मैं आंसू रोक नहीं पाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को जापान के पूर्व पीएम दिवंगत शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मिले। पीएम मोदी ने इस मुलाकात पर खुशी जताते हुए भारत के साथ उनके रिश्ते को याद किया। वहीं अकी ने कहा कि वो प्रधानमंत्री से मिलकर काफी भावुक हो गई। इतिहास जाने प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, रजापान के पूर्व पीएम दिवंगत शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मिलकर खुशी हुई। भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव की मैं बहुत कद करता हूं।

उन्होंने आगे लिखा, “आबे-सान (जापानी सम्मानसूचक शब्द जैसे हिंदी में श्रीमान) एक करीबी दोस्त और दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत-जापान



संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई। बुधवार को वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में 'आबे मेमोरियल कॉरिडोर' का उद्घाटन, भारत-जापान दोस्ती में उनके अमूल्य योगदान के लिए एक उचित सम्मान है।" वहीं, अकी ने इसे भावुक कर देने वाली मुलाकात बताया। उन्होंने कहा, “प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान जो अपमान महसूस हुआ, उसने मेरी आंखें भिगे दीं। आंसू बहने लगे।

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

विधायक छोटेलाल वर्मा की श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक



○ **टीएनएफ टुडे, आगरा/लखनऊ।**

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को जनपद आगरा पहुंचकर फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के



विधायक स्वर्गीय छोटेलाल वर्मा की श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उपमुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें इस कठिन समय में दांडस बंधाया। उन्होंने दिवंगत

यूपीआई: एमडीआर लागू करने की तारीख बढ़ा सकती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली। यूनिकाइड पैमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई से जुड़े लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने की तारीख आगे बढ़ सकती है। मौजूदा समय में इसके 15 अक्तूबर से लागू होने की बात है, लेकिन अब सरकार इसे आगे बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। एमडीआर लागू करने की समयसीमा को 15 अक्तूबर से बढ़ाकर 1 जनवरी करने का प्रस्ताव सामने आया है। इस पर अगले कुछ दिनों में फैसला होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक तारीख बढ़ाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर वह शुल्क है, जो डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले कारोबारियों से लेनदेन की प्रक्रिया के लिए लिया जाता है। यूपीआई से जुड़े एमडीआर में बदलाव का असर भुगतान कंपनियों और डिजिटल पेमेंट से जुड़े कारोबार पर पड़ सकता है। इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने यूपीआई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर जीएसटी को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया। ज्यादातर राज्यों ने यूपीआई एमडीआर पर 18 प्रतिशत जीएसटी को लेकर चिंता जताई। नए यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क के तहत ज्यादा वेल्थ वाले मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगाने की योजना है। जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए एक अहम समय पर आया है। नए यूपीआई फ्रेमवर्क में, कुछ शर्तों और छूट के साथ, 2,000 रुपए से ज्यादा के खास 'पर्सन-टू-मर्चेंट' ट्रांजेक्शन पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर तय किया गया है।

भवन में मुलाकात करेगा। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की

खबर है। ऐसी भी खबर है कि विपक्ष शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी प्रदर्शन कर सकता है।

नाना का निधन, पंचतत्व में विलीन

○ **एजेंसी, मुंबई।**

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीआरपी दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ पुणे के पास डोंजे गांव स्थित उनके फार्महाउस पर किया गया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भी श्रद्धांजलि दी। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।



पीएम ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक जताते हुए उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर में जबरदस्त जोश, अनोखापन और दमदार मौजूदगी थी, जो बहुत कम अभिनेताओं में देखने को मिलती है। उन्होंने अपने हर किरदार में शानदार विविधता और रचनात्मकता दिखाई और ऐसे पात्र निभाए, जिन्हें पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा।

परिंदા में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड

नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं। 1989 की फिल्म परिंदā में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की काबिलीर के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला।

उ.प्र. पुलिस में 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

अब सिफारिश नहीं, प्रतिभा को मौका: सीएम योगी



○ **एजेंसी, लखनऊ।**

उत्तर प्रदेश पुलिस में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चर्चनित 470 खेल प्रतिभाओं को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपे। साथ ही नियुक्ति पाने वाले सभी खिलाड़ियों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम लोक भवन सभागार में हुआ।

कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चर्चनित अभ्यर्थियों में 43 उप निरीक्षक (नागरिक पुलिस), 295 आरक्षी (नागरिक पुलिस) और 132 आरक्षी (पीएसी) शामिल हैं। अब ये सभी खिलाड़ी पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देंगे।

64 हजार हेक्टेयर लैंड को माफिया के कब्जे से खाली कराई

सीएम ने आगे कहा कि यूपी के अंदर एक समय था जब सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक ही ज़िंदगी होती थी। इससे पहले और बाद में घर से नहीं निकल सकते थे। 64 हजार हेक्टेयर लैंड को हम लोगों ने माफिया के कब्जे से खाली कराई। हम खेल ग्राउंड, मिनी स्टेडियम और हर मंडल में एक स्पोर्ट्स कॉलेज देने जा रहे हैं। आज यूपी में अपनी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी होने जा रही है। हम प्रधानमंत्री की उस बात से सहमत हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ हमारा कोई ब्रांड एंबेसडर बन सकता है तो खिलाड़ी बन सकता है। जो खेलेगा वो खिलेगा। सीएम ने डीजीपी से कहा कि इन सब खिलाड़ियों को एक-एक गांव गोद दे दीजिए। वहां पर ये लोग खेलकूद के कार्यक्रम कराएं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि आप लोग अपनी प्रैक्टिस को कभी छोड़ना मत। आपको असली प्रतिभा पसीने में है। यह अभी शुरूआत है। आगे प्रमोशन के बहुत विकल्प हैं। उन्होंने युवाओं को नसीहत दी कि ज्यादातर युवा रील में व्यस्त हैं। रील में लाइक मिलते हैं, लेकिन खेल में लाइफ मिलती है। चुनना आपको है।

नई खेल संस्कृति को बताया बदलाव की तस्वीर

इससे पहले सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि मैदान में मेधा, उपलब्धि पर सम्मान और प्रतिभा को राष्ट्र सेवा का अवसर देना ही नए उत्तर प्रदेश की नई खेल संस्कृति है। इसी संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए पुलिस विभाग में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चर्चनित 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। सीएम ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए खुल रहे सरकारी सेवा के ये द्वार उस बदलाव की तस्वीर हैं, जो प्रदेश ने वर्ष 2017 के बाद देखा है। उनके मुताबिक इससे पहले खेल कोटा उपेक्षित था और भर्तियों में प्रतिभा से अधिक सिफारिश और पहुंच की चर्चा होती थी।

आपकी मेहनत का फल है यह नौकरों

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आप सभी लोगों की अब जर्सी से वर्दी की यात्रा शुरू हुई है। उन्होंने चर्चनित खिलाड़ियों से पूछा क्या किसी ने आपसे कोई पैसा मांगा है, क्या किसी से सिफारिश करने की जरूरत पड़ी? सब लोग ध्यान रखिए ये सरकार का कोई अहसान नहीं है, बल्कि आपकी मेहनत का फल है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले पुलिस में खिलाड़ियों के सीधी भर्ती का कोई रास्ता नहीं था। हमने इसे शुरू कराया। 470 खिलाड़ियों को आज नियुक्ति पत्र दे रहे हैं। 500 से ज्यादा के चर्चन की प्रक्रिया चल रही है। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ या एशियाई खेलों में जिन्होंने मेडल जीता है, हमने उन्हें सीधी भर्ती से यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी का पद दिया है। ऐसे सात खिलाड़ियों को हम नौकरों दे चुके हैं।

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर: एसआईआर को सही बताया, लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

चुनाव आयोग और रक्क को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने उएउ ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की। पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने रक्क प्रक्रिया को भी सही बताया है। लेटर में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर जजों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं। बिना सबूत

संवैधानिक संस्थाओं पर हमले चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर कर सकते हैं। **कांग्रेस और कॉंग्रेस जनता पार्टी की कड़ी आलोचना की**

इस ओपन लेटर में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस पंकज मि्तल के भी साइन हैं। लेटर में लिखा है- "वोट चोरी के आरोप अदालतों में नहीं, बल्कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए जाते हैं। जब आयोग शपथ पत्र मांगता है, तो कोई दारिखल नहीं किया जाता। एस्ट को हार के बाद ही दोषी ठहराया जाता है। उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। एक



पार्टी जिसने पांच दशकों से अधिक समय तक इस देश पर शासन किया, अब दावा कर रही है कि जो व्यवस्था उसे सत्ता में लायी, वही धांधली वाली है।"

लेटर में पूर्व जजों के 8 दावे

चुनावों को अवैध ठहराने के प्रयास अशांति को बढ़ावा दे सकते

हैं और अराजक तत्वों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। चुनाव कराने वाले अधिकारियों को अपशब्द कहे जा रहे हैं, अधिकारियों को सत्ता बदलने के बाद बदला लेने की सलाहनी दी जा रही है। एक्टिविस्ट संगठन आरोपों को कानूनी रूप देने की कोशिश करते हैं। वे एक के बाद एक याचिकाएं लगाते हैं, लेकिन शायद ही कभी सबूत पेश करते हैं।

2000 नागरिक S1R रोकने लेटर लिख चुके

इससे पहले सितंबर में 2,000 से ज्यादा नागरिकों ने एक ओपन लेटर में कोर्ट से एसआईआर रोकने

की अपील की थी। उन्होंने इसकी वैधता और प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच होने तक अभियान रोकने की मांग की थी। सीजेआई सूर्यकांत को लिखे लेटर में साइन करने वालों ने वोटर लिस्ट के मैनेजमेंट और एडक्ट्री 3 प्लेटफॉर्म से जुड़ी गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की थी।

लेटर पर दस्तखत करने वालों में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल विष्णु भागवत, पूर्व आईएएस अधिकारी अदिति मेहता, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, इतिहासकार आदित्य मुखर्जी और अभिनेता प्रकाश राज सहित शिक्षाविद, वकील, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।

दिवंगत विधायक ओटेलाल वर्मा को
 श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि वह
 हमारे साथी जन-जन के नेता थे।
 इस अवसर पर सांसद राजकुमार
 चाहर, जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनियां,
 रामसेनोही वर्मा लक्ष्मीकांत वर्मा,
 महेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में
 लोग उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति के साथ डीसीएफएलआई के चेयरमैन पूरन डावर की हुई भेंट

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत-स्विट्जरलैंड के उच्चस्तरीय आयोजन का हिस्सा बने आगरा के प्रमुख उद्योगपति एवं डीसीएफएलआई के चेयरमैन पूरन डावर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

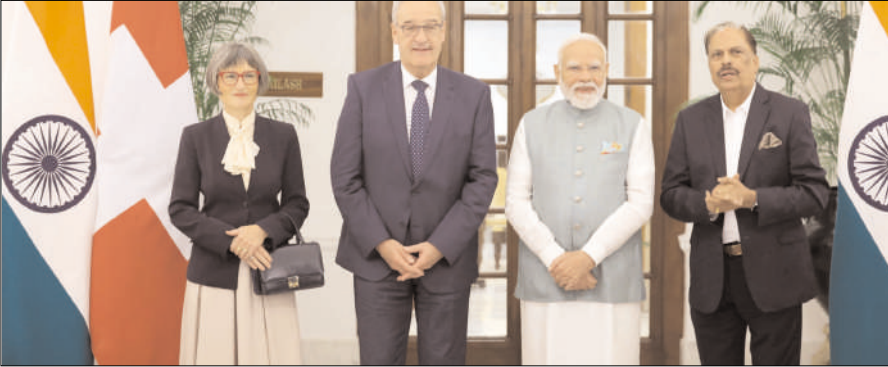
ताजनगरी आगरा के औद्योगिक जगत के लिए यह अत्यंत गौरवपूर्ण अवसर रहा, जब देश की राजधानी नई दिल्ली के प्रतिष्ठित हैदराबाद हाउस में आयोजित भारत-स्विट्जरलैंड के उच्चस्तरीय राजनयिक कार्यक्रम में आगरा के प्रमुख उद्योगपति, डावर ग्रुप के चेयरमैन तथा भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत विकास परिषद फॉर फुटवियर एंड लेदर इंडस्ट्री के चेयरमैन पूरन डावर की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, स्विस् परिषद के राष्ट्रपति गी पार्मेलिन (Guy Parmelin) एवं कैरोलिन पार्मेलिन के साथ पूरन डावर का स्पर्णीय क्षण आगरा के उद्योग जगत के लिए विशेष महत्व रखता है।

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पार्मेलिन की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस महत्वपूर्ण

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, स्विस् राष्ट्रपति गी पार्मेलिन और श्रीमती कैरोलिन पार्मेलिन के साथ यादगार क्षण; आगरा के औद्योगिक जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि

यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और आर्थिक सहयोग को नई गति प्रदान करना रहा। दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने तथा औद्योगिक एवं आर्थिक साझेदारी के नए अवसर विकसित करने पर विशेष जोर दिया।

इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अवसर पर आगरा के उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व करने वाले पूरन डावर की उपस्थिति इसलिए भी विशेष महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने अपने लंबे औद्योगिक एवं सामाजिक जीवन में आगरा के फुटवियर उद्योग को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया



है। फुटवियर निर्माण, निर्यात संवर्धन, औद्योगिक संगठनों के सशक्तीकरण और नीतिगत विषयों पर सक्रिय भूमिका के माध्यम से उन्होंने आगरा की औद्योगिक क्षमताओं को व्यापक मंच प्रदान किया है।

भारत-स्विट्जरलैंड की बढ़ती साझेदारी से उद्योग जगत के लिए नई संभावनाएं

भारत और स्विट्जरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक संबंध भारतीय विनिर्माण एवं निर्यात क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। भारत

और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (व्हाएडए) के अंतर्गत अगले 15 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश और दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस साझेदारी में उन्नत तकनीक, आधुनिक विनिर्माण, निवेश और बाजार तक पहुंच जैसे विषय विशेष महत्व रखते हैं।

ऐसे समय में जब भारतीय फुटवियर एवं लेदर उद्योग वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को और मजबूत बनाने की

दिशा में आगे बढ़ रहा है, इस प्रकार के उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन देश के औद्योगिक भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत हैं। विशेष रूप से आगरा जैसे प्रमुख फुटवियर उत्पादन एवं निर्यात केंद्र के लिए आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता, डिजाइन, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय कारोबारी सहयोग के नए अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

संघर्ष से सफलता तक का प्रेरणादायी सफर

पूरन डावर का जीवन संघर्ष,

आगरा के फुटवियर उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका

पूरन डावर का नाम आगरा के उन प्रमुख उद्योगपतियों में शामिल है, जिन्होंने उद्योग को केवल व्यवसाय तक सीमित न रखते हुए उसे रोजगार सृजन, निर्यात विस्तार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास का माध्यम बनाया। डावर ग्रुप के चेयरमैन के रूप में उन्होंने फुटवियर निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। वर्ष 1994 में आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स यैम्बर की स्थापना में उनकी अग्रणी भूमिका रही। इस संगठन के माध्यम से आगरा के फुटवियर निमाताओं और निर्यातकों को एक साझा मंच मिला, जिसने समय के साथ उद्योग की समस्याओं, संभावनाओं और विकास से जुड़े मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से उठाया। आज आगरा के फुटवियर उद्योग की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने में इन संस्थागत प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है।

भारत सरकार में महत्वपूर्ण दायित्व, उद्योग की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

वर्तमान में पूरन डावर भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत डेवलपमेंट काउंसिल फॉर फुटवियर एंड लेदर इंडस्ट्री के चेयरमैन के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त वह भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के बोर्ड ऑफ ट्रेड के गैर-सरकारी सदस्य भी हैं। इन दायित्वों के माध्यम से वह देश के फुटवियर एवं लेदर उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, निर्यात संवर्धन, औद्योगिक विकास और नीतिगत सुधारों से जुड़े विषयों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वह आगरा डेवलपमेंट फाउंडेशन सहित अनेक औद्योगिक और सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। उद्योग जगत के साथ-साथ सामाजिक सेरोकारों, शिक्षा, जनकल्याण और आगरा के समग्र विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक उद्योगपति के साथ-साथ सामाजिक चिंतक और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में विशिष्ट पहचान देती है।

परिश्रम और दूरदर्शिता की प्रेरक मिसाल है। देश के विभाजन के बाद उनके परिवार ने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए आगरा में नए सिरे से जीवन की शुरूआत की। सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच उन्होंने शिक्षा प्राप्त की तथा व्यवसाय के क्षेत्र में कदम रखा। छोटे स्तर से प्रारंभ हुआ उनका औद्योगिक सफर आगे

चलकर एक प्रतिष्ठित फुटवियर निर्माण एवं निर्यात समूह के रूप में विकसित हुआ।

व्यावसायिक सफलता के साथ उन्होंने उद्योग एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निरंतर प्राथमिकता दी। यही कारण है कि आज वह आगरा के औद्योगिक जगत में एक अनुभवी उद्यमी, संगठनकर्ता और उद्योग हितों के

प्रभावशाली प्रतिनिधि के रूप में पहचाने जाते हैं।

आगरा के लिए यह गर्व का विषय है कि यहां के एक प्रतिष्ठित उद्योगपति की उपस्थिति देश के शीर्ष नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय राजनयिक आयोजन के साथ जुड़ी। यह अवसर आगरा के उद्यमियों, निर्यातकों और नई पीढ़ी के उद्योग जगत से जुड़े युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है।

एमएलसी चुनाव तैयारियों की समीक्षा

मंडलायुक्त और प्रेक्षकों की 12 जिलों के अफसरों संग बैठक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत आगरा खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारु मतदान संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मंडलायुक्त/रिटर्निंग ऑफिसर की अगुवाई तथा चुनाव आयोग द्वारा नामित प्रेक्षक द्वय आईएसएस अभिषेक प्रकाश एवं आईएसएस हीरालाल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मंडल व क्षेत्र के 12 जनपदों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। 12 जनपदों में चुनाव तैयारियों का लिया जायजा



समीक्षा बैठक के दौरान आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, एटा, मैनपुरी, इटावा, फर्रुखाबाद, कासगंज, हाथरस, औरैया एवं कन्नौज के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों से तैयारियों का ब्योरा लिया गया। बैठक में पोलिंग पार्टियों के गठन व प्रशिक्षण, निर्वाचन व्यव अनुवीक्षण, वीडियोग्राफी टीमों, मतपेटिकाओं व स्टेशनरी की उपलब्धता, तथा मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी

(टउउउ) के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

कानून व्यवस्था और बूथों पर मूलभूत सुविधाओं पर जोर

मंडलायुक्त एवं प्रेक्षकों ने सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली, रैप और फर्नीचर जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील बूथों की सुरक्षा, माइक्रो ऑब्जरवर, जोनल व सेक्टर

- 23 अक्टूबर को होगा आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक चुनाव का मतदान, 27 को होगी मतगणना
- 12 जनपदों के डीएम व एसपी वर्चुअल बैठक से जुड़े, शांतिपूर्ण चुनाव के लिए निर्देश
- स्नातक क्षेत्र के लिए 262 और शिक्षक क्षेत्र के लिए 150 मतदेय स्थल किए गए तय

मजिस्ट्रेटों की तैनाती तथा रूट चार्ट की समीक्षा की गई। आगरा खंड स्नातक सीट के लिए 173 केंद्रों पर 262 मतदेय स्थल (20 सहायक मतदेय स्थलों सहित) तथा शिक्षक सीट के लिए 143 केंद्रों पर 150 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पूरे निर्वाचन क्षेत्र को 67 जोनल व 193 सेक्टर में

बांटा गया है।

पुनाव कार्यक्रम और मतगणना स्थल तय

बैठक में बताया गया कि नामांकनों की संवीक्षा पूरी हो चुकी है तथा 9 अक्टूबर (शुक्रवार) अपराह्न 3:00 बजे तक नाम वापसी की अंतिम तिथि तय है। 23 अक्टूबर (शुक्रवार) को सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक मतदान होगा। मतगणना 27 अक्टूबर (मंगलवार) को नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति, टूंडला रोड, आगरा में कराई जाएगी।

बैठक में आगरा के जिलाधिकारी मनीष बंसल, अपर आयुक्त राजेश कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम सिटी यमुनाधार चौहान सहित संबन्धित जनपदों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

- 12 जनपदों से आने वाली मतपेटिकाओं की सुरक्षा के लिए स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी और कड़े सुरक्षा घेरे के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 (आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्र) को शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोलिंग पार्टियों की रवानगी, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था और 27 अक्टूबर को होने वाली मतगणना की तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने आगामी 23 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मतदान हेतु मंडी समिति से पोलिंग पार्टियों के व्यवस्थित प्रस्थान, उनके वाहनों और आवश्यक निर्वाचन सामग्री के वितरण संबंधी प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि



मतदान कार्मिकों के आवागमन और वाहनों की टैगिंग समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए ताकि किसी भी स्तर पर अव्यवस्था न हो। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आगरा खंड के अंतर्गत आने वाले सभी 12 जनपदों से मतदान के बाद प्राप्त होने वाली मतपेटिकाओं एवं निर्वाचन सामग्री को रखने के लिए बनाए जा रहे स्ट्रांग रूम का निरीक्षण जायजा लिया। उन्होंने आयोग के मानकों के अनुसार 24/7 सीसीटीवी निगरानी, डबल-लॉक सिस्टम, निर्बाध बिजली आपूर्ति, प्रवेश-निकास नियंत्रण और त्रिस्तरीय सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने 27 अक्टूबर को प्रस्तावित मतगणना के दृष्टिगत मतगणना

हॉल, काउंटिंग टेबल्स, राजनीतिक दलों के मतगणना एजेंटों के बैठने के स्थान, बैरिकेडिंग, सफाई, पेयजल और मेडिकल सुविधाओं की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने कहा कि मंडी समिति परिसर में स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल की सुरक्षा के मामले में शून्य लापरवाही का रुख अपनाना जाएगा।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधार चौहान, सहायक निर्वाचन अधिकारी नर सिंह, डीडीसी मंडी अलोक दुबे, मंडी सचिव अजय प्रताप सिंह तथा पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता किशोर कुमार व मनोज कुमार सहित अन्य संबंधित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

थाना मंसूखपुरा क्षेत्र के सेहा गांव में खेत पर जाकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के बाद चौराहे पर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ

प्राथमिकी दर्ज की है।

सेहा निवासी अजीत सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार की रात वह अपने खेत पर सो रहा था। आरोप है कि नेपाल सिंह पुत्र रणवीर, बृजमोहन पुत्र गंगाप्रसाद और माताप्रसाद पुत्र ख्यालीराम तारबंदी

पार कर खेत में पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पीड़ित ने 112 नंबर पर सूचना दी।

आरोप है कि अगले दिन सुबह करीब आठ बजे वह बाइक से घर से निकलकर सेहा चौराहे पर पहुंचा

तो तीनों ने उसके साथ लात-घूंसें से मारपीट की।

मारपीट में उसके गले पर चोट आई और मोबाइल भी तोड़ दिया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने मंडी समिति का किया निरीक्षण

सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा बलों की तैनाती के लिए कड़े निर्देश

बैलेट बॉक्स और निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित संधारण के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 (आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्र) के सफल व शांतिपूर्ण संचालन के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। गुरुवार को मंडलायुक्त/निर्वाचन अधिकारी नगेंद्र प्रताप ने नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान के दृष्टिगत पोलिंग पार्टियों की रवानगी व्यवस्था और स्ट्रांग रूम की तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की।

मंडलायुक्त ने मंडी समिति परिसर से आगरा खंड निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 12 जनपदों के लिए पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान एवं आवागमन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि



मतदान कार्मिकों के प्रस्थान और सामग्री वितरण की प्रक्रिया को अत्यंत सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जाए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान के पश्चात मतपेटियों (बैलेट बॉक्स) और संवेदनशील निर्वाचन सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए बनाए जा रहे स्ट्रांग रूम का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्ट्रांग रूम की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई और मरम्मत के कार्य तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराए जाएं। साथ ही मतदान उपरांत निर्धारित गाइडलाइंस के

अनुसार ही सामग्री को स्ट्रांग रूम में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने स्ट्रांग रूम की अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए सक्षम अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती, 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लाइव निगरानी और पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की मंशा के अनुरूप निर्वाचन प्रक्रिया को पूरी निष्पक्षता और सुरक्षा के साथ संपन्न कराया जाएगा।

टीएनएफ टुडे, आगरा।

हिंदुस्तानी एकेडेमी उ०प्र० एवं हिंदी विभाग, आर.बी.एस. कॉलेज आगरा के संयुक्त तत्वावधान में द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो० हरिशंकर, निदेशक केंद्रीय हिंदी संस्थान विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो० संतोष भदौरिया, प्रो० योगेंद्र प्रताप सिंह, प्रो० उमापति दीक्षित जी अध्यक्षता हेतु प्रो. उदय प्रताप सिंह एवं संरक्षक की भूमिका में प्राचार्य विजय श्रीवास्तव और समन्वयक की भूमिका में प्रो. युवराज सिंह जी ने उपस्थिति रखी। प्रथम सत्र का संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ. गौरव सिंह ने की। सत्र का आरम्भ प्रो युवराज सिंह जी के द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताविकी से जिसमें सर ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता और नवीन प्रश्नों



और बहसों की आवश्यकता को सामने रखा तत्पश्चात सत्र में प्रो. संतोष भदौरिया जी ने औपनिवेशिक प्रभाव के चलते नष्ट होती गई ब्रजभाषा के पीछे के छल की ओर संकेत किया। प्रो० योगेन्द्र प्रताप सिंह जी ने लोकरंजक कृष्ण के भक्तिमय स्वरूप से श्रोताओं को परिचित कराया। प्रो. उमापति दीक्षित जी ने ब्रजभाषा की गेयता के वैशिष्ट्य की बखान की। प्रो. विजय श्रीवास्तव ने काव्य हेतु के लोकमंगलकारी भावना की व्याख्या की मुख्य अतिथि प्रो. हरिशंकर ने भाषा और लोक कथाओं

के सुंदर सम्मिश्रण से जनमानस के मंगलकारी तत्वों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. उदयप्रताप सिंह जी ने पूरे सत्र के प्रश्नों का उत्तर देते हुए भक्ति की प्रगाढ़ता ब्रजभाषा में अपने सर्वोच्च शिखर पर किस प्रकार थी, इस पर आधिकारिक वक्तव्य दिया। सत्र समापन में धन्यवाद वक्तव्य डॉ. ज्योत्सना शर्मा ने किया।

द्वितीय सत्र में अध्यक्ष प्रो रंजीत सिंह भदौरिया सह-अध्यक्ष प्रो. हर्षबाला शर्मा जी मुख्य वक्ता डॉ. विनम्र सेन सिंह विशिष्ट वक्ता डॉ

शौर्यजीत सिंह एवं डॉ. प्रियंका कुमारी सिंह रहे। प्रियंका जी ने अपने वक्तव्य में अष्टछाप के कवियों की समकालीन उपस्थिति पर बात रखी। डॉ शौर्यजीत सिंह ने अष्टछाप में लोक के प्रवेश पर व्याख्यान दिया। डॉ. विनम्र सेन सिंह जी ने शंकराचार्य के मायावाद को लेकर वल्लभाचार्य के विशिष्टाद्वैत आदि की गहरी पड़ताल पर बात रखी।सह-अध्यक्ष पद्माकर और नजीर अकबराबादी आदि अन्य कवियों के शैली आदि का उदाहरण देकर ब्रजभाषा की सैद्धान्तिकी को प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय वक्तव्य प्रो रंजीत सिंह भदौरिया ने देते हुए ब्रज के गद्य पर सारगर्भित वक्तव दिया साथ ही सम्पूर्ण सत्र के प्रश्नों पर भी संक्षिप्त टिप्पणी की द्वितीय सत्र का संचालन प्रो. रंजना कुलश्रेष्ठ और धन्यवाद ज्ञापन डॉ गौरव सिंह ने दिया।

टीएनएफ टुडे

मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

दीनदयाल धाम फरह मेले में बोले उप मुख्यमंत्री केशव

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पंडित दीनदयाल धाम फरह में आयोजित मेले में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से जोड़ते हुए कहा कि गरीब किसान युवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही पंडित जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के उपचार की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2026-27 के राज्य बजट के अनुसार प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज



संचालित हैं। इनमें 45 सरकारी और 36 निजी क्षेत्र के हैं। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि जिन जिलों में अभी मेडिकल कॉलेज की सुविधा नहीं है वहां भी चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समाज में नकारात्मक

माहौल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में लोगों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर अंत्योदय की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में करोड़ों युवा और महिलाएं विकास की प्रक्रिया से जुड़ रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि

संत रमेश बाबा को श्रद्धांजलि देने 12 अक्टूबर को उमड़ेंगे देश-विदेश से भक्त

मान मंदिर में श्रद्धांजलि सभा में साधु-संतों और अनुयायियों का लगेगा तांता

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज के विरक्त रसिक संत एवं मान मंदिर के महंत पद्मश्री संत रमेश बाबा महाराज का अंतिम संस्कार संपन्न हो चुका है। अब उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 12 अक्टूबर, सोमवार को गहवर वन स्थित रस मंडप में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। सभा में देश-विदेश से संत-महात्मा, अनुयायी और श्रद्धालु शामिल होकर बाबा को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। बाबा के गोलोकवासी होने के बाद से ही उनके प्रति अगाध श्रद्धा रखने वाले साधु-संत, अनुयायी और देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालुओं के बरसाना पहुंचने का सिलसिला जारी है। विदेशों में

रहने वाले बाबा के भक्त भी श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए ब्रजभूमि पहुंचेंगे। मान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री ने बताया कि संत रमेश बाबा महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन श्रीराधा रानी की भक्ति, ब्रजभूमि की सेवा, गौसेवा तथा ब्रज की संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। बाबा के प्रति देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी हजारों भक्तों की गहरी आस्था रही है। इंदिरा एकादशी के दिन बाबा महाराज के गोलोकवास का समाचार सुनकर भक्तों में शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर, सोमवार को दोपहर बाद

2 बजे से 5 बजे तक गहवर वन स्थित रस मंडप में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में देश के विभिन्न क्षेत्रों से संत-महात्मा, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग तथा बाबा के अनुयायी शामिल होंगे। विदेशों में रहने वाले भक्त भी अपने आराध्य संत को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्रजभूमि पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। राधाकांत शास्त्री ने कहा कि संत रमेश बाबा महाराज का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने ब्रज की रज, गौवंश, वृक्षों और ब्रज संस्कृति को अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके निधन से ब्रजभूमि ने एक महान संत और सच्चा ब्रजसेवक खो दिया है।

जंगल में गड्ढा खोदकर दफना दिया दोस्त शौकीन

मथुरा। कोसीकलां थाना क्षेत्र के गांव बरका में एक युवक की हत्या कर शव जंगल में गड्ढा खोदकर दफनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बुधवार देर शाम तक युवक के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसके साथ जंगल गए तीन दोस्तों के पड़ोताछ की लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद तीनों युवक गांव से फरार हो गए। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए तीनों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने डॉंग स्व्वायड की मदद से जंगल में तलाश कराई तो एक गड्ढे से युवक का शव बरामद हो गया। बताया जाता है पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि 28 वर्षीय शौकीन अपने तीन दोस्तों विष्णु लक्ष्मण और आशीष के साथ जंगल की ओर गया था। तीनों दोस्त तो वापस गांव लौट आए लेकिन शौकीन घर नहीं पहुंचा। देर शाम तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। परिजन तीनों दोस्तों के घर पहुंचे और शौकीन के बारे में जानकारी मांगी लेकिन आरोप है कि उन्होंने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। इसके बाद तीनों युवक अचानक गांव से गायब हो गए। इससे परिजनों का शक और गहरा गया। परिजनों ने शौकीन की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ युवक की तलाश शुरू कराई। देर रात पुलिस ने डॉंग स्व्वायड की मदद से जंगल में तलाश कराई। पुलिस डॉंग एक स्थान पर पहुंचकर रुक गया। वहां जमीन की जांच की गई तो गड्ढा मिला। खुदाई कराने पर शौकीन का शव बरामद हो गया।

गढ़ी बच्ची गाँव में यूजीसी के विरोध में मोहित तोमर की भूख हड़ताल शुरू, संपूर्ण समस्या समाधान संगठन ने दिया समर्थन –यूजीसी के विरोध में मोहित तोमर की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एल्मादपुर।

क्षेत्र के गाँव गढ़ी बच्ची में यूजीसी नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर युवाओं का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। आंदोलन की इसी कड़ी में युवा प्रदर्शनकारी मोहित तोमर गाँव में ही अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। मोहित तोमर का कहना है कि जब तक उनकी जायज मांगों को पूरा नहीं किया जाता और युवाओं के हित में फैसला नहीं लिया जाता, तब तक उनका हड़ अनवरत जारी रहेगा। मोहित तोमर के भूख हड़ताल पर बैठते ही क्षेत्रीय युवाओं और विभिन्न संगठनों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। इसी बीच युवाओं की आवाज बुलंद करने के लिए 'संपूर्ण समस्या समाधान संगठन' के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र त्यागी अपने कार्यकर्ताओं के साथ गाढ़ी बच्ची गाँव पहुंचे। उन्होंने मोहित तोमर को माला पहनाकर उनके इस कदम की सराहना की और संगठन की ओर से इस आंदोलन को हर स्तर पर पूरा समर्थन देने की घोषणा की। धरना स्थल पर मौजूद युवाओं को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी के नियम युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़



हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इससे पहले भी एल्मादपुर क्षेत्र में यूजीसी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन, हाईवे जाम और ट्रैक्टर मार्च जैसे कदम उठाए जा चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार और प्रशासन ने उनकी मांगों जल्द नहीं मानी, तो

इस भूख हड़ताल और आंदोलन को पूरे जिले और प्रदेश स्तर पर और उग्र रूप दिया जाएगा। इस दौरान भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, युवा और संगठन के पदाधिकारी मोहित तोमर के समर्थन में धरना स्थल पर डटे हुए हैं।

खंदौली उपखंड के चैकिंग अभियान, 9 लोगों पर एफआईआर, 22 केबिलें हटाईं

खंदौली। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार हाई लॉस फीडरो पर लाइन हानियां (बिजली नुकसान) कम करने के लिए बिजली विभाग ने एक बड़ा चैकिंग और राजस्व वसूली अभियान चलाया है। गुरुवार, 08 अक्टूबर 2026 को उपखंड खंदौली के अंतर्गत उपकेंद्र उजरई से पश्चिंत 11 केबी नाइक ग्रामीण फीडर से जुड़े विभिन्न गांवों में विभाग की टीम ने तालखुंड छापेमारी की। यह संयुक्त कार्रवाई उपखंड के समस्त स्टाफ, क्षेत्रीय अवर अभियंता (खण) और उपखंड अधिकारी (उख) की मौजूदगी में ग्राम पीलीपोखर, नगला महाराम एवं अविदागढ़ में चलाई गई। इस सभन चैकिंग अभियान से क्षेत्र के बिजली चोरों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान चैकिंग टीम को बड़ी सफलता मिली। जांच में कुल 9 उपभोक्ता अवैध और अनाधिकृत रूप से बिजली का उपयोग करते हुए ऐसे हाथों पकड़े गए। विभाग इन सभी आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाई कर रहा है।

गांव-गांव पहुंचेगा टीबी मुक्त भारत का संदेश

मथुरा। फरह स्थित पंडित दीनदयाल धाम से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में आयोजित ह्यप्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत तह्द अभियान के तहत जेओएसएच (ज्वाइंट स्वाड फॉर हेल्थ) टीमों के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम में वरुंडल माध्यम से प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा सहभागिता की गई। उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य विभाग का कैबिनेट मंत्री का कार्य देख रहे बृजेश पाठक ने कहा कि जेओएसएच टीमों का प्रथम चरण 11 राज्यों के 55 जिलों में शुरू किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा पहुंच और सहभागिता को टीबी उन्मूलन के सामुदायिक प्रयासों से जोड़ना है। इसके माध्यम से टीबी मुक्त भारत का संदेश गांव-गांव और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के जरिए टीबी की रोकथाम और समय पर उपचार के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को जन्मभागीदारी के माध्यम से मजबूत करने और देश को टीबी मुक्त बनाने में सामुदायिक सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया गया।

एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय की विचारधारा सरकार की योजनाओं के केंद्र में है। किसान गरीब युवा और बुजुर्ग सभी को सम्मान और अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने मेले में मौजूद लोगों का आभार जताते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उन्हें व्यवहार में उतारने का प्रयास जारी रहेगा।

लापता युवक का बंद मकान में फंदे से लटका मिला शव

मथुरा। थाना राया क्षेत्र के गांव सरुपा में दो सप्ताह से लापता 20 वर्षीय युवक का शव बुधवार शाम एक बंद मकान में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। शव जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। घटना की जानकारी उस समय हुई जब ग्रामीणों ने एक कुते को नरमूंड मुंह में दबाकर ले जाते देखा। ग्रामीणों ने कुते से नरमूड छुड़ाया और इसकी सूचना युवक के परिजनों तथा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी बिगुपुरी प्रभारी कुशलपाल सिंह पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। परिजनों ने अपने बंद पड़े मकान को खोलकर देखा तो अंदर 20 वर्षीय दिमल पुर सोनवीर का शव फंदे से लटका मिला। शव काफी खराब अवस्था में था। यह दृश्य देखकर परिजनों के होश उड़ गए। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि मिल के करीब दो सप्ताह पूर्व घर से लापता होने की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी थी। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को आत्महत्या से जोड़कर जांच कर रही है।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस ने वोट बचाओ, देश बचाओह्द पदयात्रा में जोर लगाया। नारेबाजी करते हुए पदयात्रा निकाल डीएम कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। राजकीय छात्रावास से शुरू हुई पदयात्रा सिविल लाइन होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। जिला अध्यक्ष धनगर ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का समाधान आवश्यक है। इसी क्रम में दिल्ली में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी

राया विकास खण्ड में लगा पशु आरोग्य मेला

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पशुपालन विभाग ने ग्राम पंचायत शिवली, कुम्हा विकास खण्ड राया में पं० दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर/मेला का आयोजन किया। गुरुवार को मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 नरेंद्र नारायण शुक्ला ने अवगत कराया है कि पशुपालन विभाग मथुरा द्वारा अपर निदेशक ग्रेड-2, पशुपालन विभाग, आगरा मण्डल, आगरा डा0 डी.पी. सिंह की उपस्थिति में ग्राम पंचायत शिवली, कुम्हा विकास खण्ड राया में पं० दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर/मेला का आयोजन किया गया।

मेला में उपस्थित पशु पालकों को विशेषज्ञ पशु चिकित्साविदों (डा० कृष्णवीर सिंह, डा० सान्तनू उपाध्याय, डा० नेहा गुप्ता एवं डा० सुभाष बाबू) द्वारा नस्ल सुधार हेतु नर गोवंशों का बधियाकरण करने



तथा मादा गोवंशों में वगीकृत सीमन से कृत्रिम गर्भाधान कराने एवं सरकार द्वारा संचालित पशुधन बीमा योजना के अन्तर्गत 85 प्रतिशत राज्य सरकार अंश एवं 15 प्रतिशत पशुपालन अंश के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। पशुपालन विभाग द्वारा संचालित नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना एवं स्वदेशी गो-संवर्धन योजना, भेड, बकरी, सुकर एवं मुर्गी पालन के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी। मेले में पशुपालकों को

दवायों एवं मिनरल मिक्चर का निःशुल्क वितरण किया गया। शिविर में 360 पशुओं का पंजीकरण कर स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया, जिसमें 151 बड़े / छोटे पशुओं की चिकित्सा, 40 पशुओं को कृमिनाशक दवापान तथा 54 पशुओं की बॉझपन चिकित्सा एवं 02 पशुओं का बंधियाकरण किया गया। उक्त के अतिरिक्त अपर निदेशक ग्रेड-2 महोदय, पशुपालन विभाग, आगरा मण्डल आगरा द्वारा एलएसडी टीकाकरण का सत्यापन किया गया।

वोट बचाओ, देश बचाओ पदयात्रा में गरजे कांग्रेसी राजकीय छात्रावास से मथुरा जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



तथा इंडिया गठबंधन के सांसदों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान मोदी सरकार के इशारे पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ह्दकाला दिवसह्द भी मनाया। कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं ब्रज क्षेत्र प्रभारी कुनाल चौधरी रहे। पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री पंडित श्याम सुंदर शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं को

संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का मत सर्वोपरि है और कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज उठाती रहेगी। पदयात्रा एवं प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक मौजूद रहे। संचालन पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने किया

विरोध प्रदर्शन में उपस्थित सर्वश्री जिला उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी एडवोकेट, शहर महामंत्री राकेश रावत, उमेश शर्मा, बलवीर प्रधान,मनोज गौड़, हरदेव सिंह, गीता दिवाकर, अक्षय पाठक, अश्वनी शुक्ला, नरेंद्र शर्मा, हाकिम सिंह छोकर, ललिता देवी, राजन पाठक, रमेश कश्यप ,कुशन रिजवी, रूपा लवानिया, गीता देवी ललिता देवी अजीम शाह शिव कुमार गौतम अशोक निषाद करण निषाद राजा गौतम पंकज चौधरी महेश चौबे रवि वाल्मीकि रिंकु गौतम तपेश गौतम सैकड़ो की संख्या में जिला जन उपस्थित थे। चले जूता चप्पल जिला मुख्यालय पर चल रहे प्रदर्शन में आपसी बहस के साथ जूते चप्पल चले। इसे कांग्रेसी शहर व जिला इकाई में चल रही गुटबाजी का परिणाम बताया जा रहे हैं।

पिनाहट में धूमधाम से बैंड बाजो के साथ निकाली गई रावण की दुहाई

पिनाहट। गुरुवार को पिनाहट कस्बे की ऐतिहासिक रामलीला में रावण की दुहाई की लीला का मंचन किया गया।कस्बा पिनाहट में धूमधाम से बैंड बाजों के साथ रामलीला मैदान से लेकर कस्बा बाजार में रावण की दुहाई निकाली गई। जानकारी के अनुसार कस्बा पिनाहट ऐतिहासिक रामलीला में गुरुवार को रामलीला में रावण की दुहाई की लीला का मंचन किया गया। रावण ने रथ पर सवार होकर अपने सैनिकों के साथ कस्बे में दुहाई निकाली। कस्बे में धूमधाम से बैंड बाजों के साथ रावण की दुहाई रामलीला मैदान से शुरू हुई और कस्बे के भरौली तिराह, नदवावा तिराहा,अबैडकर चौराहा, सदर बाजार, चांदनी चौक सब्जी मंडी, माता श्री चामड देवी, पुराना राजाखेड़ा रोड होती हुई रामलीला प्राणग स्थल पर पहुंची। रामलीला कमेटी अध्यक्ष नवीन पाराशर ने बताया कि शनिवार को राम जन्म की लीला का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष नवीन पाराशर, श्यामसुंदर महेरे , श्याम सुंदर शर्मा, व्यास ब्रह्माद पाठक, रामनिवास शर्मा, मनोज तिवारी, भगवान सिंह परिहार, रामदत्त शर्मा, कुल्ली भगत,पंकज तैनगुरिया, रवि देगुरिया, गौरव पावाशर,हावरी ओझा, विनोद अरेले, धर्मेन्द्र गोस्वामी, अमन पाराशर, शिवम शर्मा, अतुल महेरे, आदि मौजूद रहे।



आगरा प्रदर्शन में जा रहे सपाईयों को फतेहाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार



फतेहाबाद। वोट चोरी को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन को लेकर फतेहाबाद विधानसभा के सपा नेता गुरुवार को आगरा प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जा रहे थे जिसकी जानकारी होने पर फतेहाबाद पुलिस के द्वारा अवती बाई चौक से सभी को गाड़ी सहित अरेस्ट कर लिया गया जहां थाने में बैठे सपाईयों ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह दमनकारी नीतियों के माध्यम से संविधान के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का हनन कर रही है सभी को संविधान में अपनी बात कहने का अधिकार है विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है लेकिन पुलिस के द्वारा सरकार के दबाव में हमें गिरफ्तार किया गया है यह लोकतंत्र के खिलाफ है। इस अवसर पर बोलते हुए सपा नेता राजेश कुमार शर्मा ने कहा है कि पुलिस के द्वारा जबरन अरेस्ट किया गया है आगरा प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जा रहे थे यह संविधान के खिलाफ है प्रशासन जानबूझकर विरोध प्रदर्शन को दबाया चाहता है लेकिन अब यह दबावे वाला नहीं है अब आर-पार की लड़ाई होगी। वहीं प्रहलाद गुर्जर ने भी इस प्रदर्शन में जा रहे लोगों को अरेस्ट करने की घोर निंदा की। इस अवसर पर राशिद खान, सुनील शर्मा, महेश शर्मा,आशीष शर्मा,पप्पू खान, सकील खान, अनश खान, नसरत खान,मेहताब गुर्जर,मुन्ना खान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक्सप्रेसवे पर थार टायर फटने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर थार कार का टायर फटने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई , इस दौरान कार सवार बाल-बाल बचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार चालक गौतम सिंह पुत्र नरेश निवासी ग्राम बरी पाली थाना नरस्ट जिला नवादा बिहार खाटू श्याम से दर्शन कर अपने घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही गुरुवार 4:05 बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 29-00 पर थार कार का टायर फटने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि हादसे में कार सवार बाल-बाल बच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने कार को रोड से हटवाकर किलोमीटर 27 पर खड़ा करवा दिया गया है।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिलाधिकारी श्री चंद्र प्रकाश सिंह जी की अध्यक्षता में पराली प्रबंधन एवं फसल अवशेषों के उचित निस्तारण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम, किसानों को जागरूक करने तथा फसल अवशेषों के समुचित प्रबंधन के लिए की जा रही कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया जाए तथा किसानों को पराली न जलाने के लिए निरंतर जागरूक किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी किसानों से अपील की है कि फसल अवशेषों को जलाने के बजाय कृषि यंत्रों एवं अन्य वैज्ञानिक विधियों के माध्यम से

तत्काल सूचना एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि तहसील छाता में अधिकतम पराली जलाने की घटनाएं प्राप्त हुई हैं। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पराली जलाने वाले किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों में नोटिस के साथ-साथ नियमानुसार जुमाना लगाते हुए वसूली की कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि किसानों को पराली प्रबंधन के लिए उपलब्ध वैकल्पिक उपायों एवं कृषि यंत्रों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा अधिक से अधिक किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही, पराली

प्रबंधन अभियान में ग्राम प्रधानों, लेखपालों, कृषि विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए जनपद को पराली जलाने की घटनाओं से मुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास सुनिश्चित करें, उक्त कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जिला कृषि अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक, एडीओ कृषि विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

लोकतंत्र की रक्षा और 'वोट चोरी' के खिलाफ समाजवादी पार्टी का जोरदार प्रदर्शन

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एल्मादपुर।

आगरा आज समाजवादी पार्टी जिला एवं महानगर इकाई आगरा के संयुक्त तत्वाधान सुभाष पार्क पर एक विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन लोकतंत्र की रक्षा, 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के अविश्वसनीय इस्तीफे की मांग को लेकर किया गया।



शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद जब सपा कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट की ओर जापन देने बढ़ रहे थे, तब पुलिस प्रशासन ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए कार्यकर्ताओं को रोका और शीर्ष नेताओं को हाउस अरेस्ट (नजरबंद) कर दिया। इसके बावजूद पुलिस-प्रशासन की बाधाओं को पार करते हुए शहर अध्यक्ष शबीर अब्बास जिला अध्यक्ष उदल सिंह कुशवाहा एवं डॉ ममता शर्मा प्रत्याशी एल्मादपुर विधानसभा ने जापन सौंपा।

"यह तानाशाही सरकार पुलिस के

बल पर हमें चाहे जितने मुकदमे दर्ज करा ले या नजरबंद कर दे, लेकिन हमारी लड़ाई रुकने वाली नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी जनता की आवाज को पूरी मजबूती से उठाती रहेगी।" कार्यक्रम के अंत में जिला एवं महानगर इकाई के सभी सम्मानित नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनसैलाब का कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के लिए हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

वोट बचेगा तो लोकतंत्र बचेगा, मतदाता सूची की पारदर्शिता पर सपा युवजन सभा ने उठाई आवाज

राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा जापन, पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने की निष्पक्ष जांच की मांग

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के साथ मतदाताओं के अधिकारों को सुरक्षित रखने की मांग को लेकर समाजवादी युवजन सभा ने आवाज बुलंद की है। संगठन के जिलाध्यक्ष चौ. रवि यादव के नेतृत्व में गुरुवार को राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी कासगंज के माध्यम से जापन भेजकर मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने की निष्पक्ष जांच कराने और निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ता

नियमित मानदेय और सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग, आशा कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

आशा कार्यकर्ताओं और संगिनियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित जापन मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में आशा कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्थायी कर राज्य कर्मचारी का दर्जा देने और नियमित न्यूनतम मानदेय निर्धारित करने की मांग की गई।

आशा कार्यकर्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य निशान के तहत वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, महामारी नियंत्रण, संचारी रोगों की रोकथाम सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में वे लगातार कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें स्वयंसेवक मानते हुए सीमित प्रोत्साहन राशि और मानदेय दिया जाता है, जो वर्तमान महंगाई में परिवार के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त नहीं है।

ज्ञापन में मांग की गई कि सभी आशा कार्यकर्ताओं और संगिनियों को स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्थायी कर

पति के आत्मघाती कदम से टूट चुकी थी 23 वर्षीय मुस्कान, मायके में पंखे से लटककर दी जान

दो महीने पहले फांसी लगाकर पति ने की थी आत्महत्या, गहरे सदमे में थी विवाहिता

सुबह 4 बजे छोटी बहन कमरे में पहुंची तो फंदे पर लटकता मिला शव, परिवार में मचा कोहराम

○ टीएनएफ टुडे, पटियाली।

पति की मौत के वियोग और सदमे को सहन न कर सकी 23 वर्षीय नवविवाहिता ने मायके में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। दो महीने पूर्व ही उसके पति ने गृहक्लेश से क्षुब्ध होकर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद से वह गहरे अवसाद में थी। गुरुवार तड़के युवती का शव कमरे में पंखे के सहारे साड़ी के फंदे से लटका मिलने पर परिजनों में चौख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र पटियाली की न्यू कॉलोनी (गली नंबर 2) निवासी राजवीर ने अपनी पुत्री मुस्कान (23) की शादी इसी वर्ष 9 मई को सहावर थाना क्षेत्र के चौबे नगला निवासी



राहुल पुत्र महेश के साथ की थी। राहुल परचूनी की दुकान और आटा चक्की चलाता था। शादी के बाद उसने दुकान पर जाना कम कर दिया था। परिजनों द्वारा काम पर जाने का दबाव बनाने से आहत होकर राहुल ने 13 जुलाई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

मायके में रह रही थी मुस्कान, अवसाद बनी वजह

पति की असमय मौत से मुस्कान बुरी तरह टूट चुकी थी और अपने पिता के घर (न्यू कॉलोनी, पटियाली) में रह रही थी। परिजनों



प्रभावित नहीं होना चाहिए।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि मतदाता सूची में अनियमितताओं और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने के मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। मतदाता सूची तैयार करने और उसमें संशोधन की

प्रक्रिया को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाए। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की आवश्यक समीक्षा और निगरानी सुनिश्चित की जाए।

संगठन ने लोकतांत्रिक संस्थाओं

जिला गंगा समिति एवं श.पदकप के संयुक्त तत्वावधान में एस.जी.एम. जूनियर स्कूल, सोरों में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

स्वच्छता ही सेवा के विशेष अभियान तथा वन्य जीव सप्ताह के अंतर्गत जिला गंगा समिति, कासगंज एवं विश्व प्रकृति निधि भारत के संयुक्त तत्वावधान में एस.जी.एम. जूनियर स्कूल, सोरों में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नदी संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए नदी संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं वन्य जीव संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए तथा निबंध लेखन के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से प्रकृति एवं जैव विविधता के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला गंगा समिति, कासगंज के जिला परियोजना अधिकारी सुजीत कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नदियों को



साइबर सिक्योरिटी में है रुचि? इन विभागों में मिलेगी शानदार नौकरियां

अगर साइबर सिक्योरिटी में इंटरैस्ट है, तो जाने किन सरकारी विभागों में मिल सकती है शानदार नौकरी. यहां देखें जरूरी कोर्सेज, स्किल्स और करियर ऑप्शन्स की पूरी डिटेल.

आजकल लगभग हर काम ऑनलाइन हो रहा है. बैंकिंग से लेकर गवर्नमेंट डेवलपमेंट, स्कूल-कॉलेज की जानकारी और ऑफिस का काम भी इंटरनेट के जरिए होने लगा है. ऐसे में ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग और डेटा चोरी के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं. यही वजह है कि साइबर सिक्योरिटी की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है. अगर आपको कंप्यूटर, इंटरनेट, नेटवर्किंग या टेक्नोलॉजी में रुचि है, तो साइबर सिक्योरिटी आपके लिए अच्छा करियर ऑप्शन बन सकता है. खास बात यह है कि इस फील्ड में सरकारी नौकरी के भी कई शानदार मौके मौजूद हैं.

साइबर सिक्योरिटी क्या होती है
साइबर सिक्योरिटी का मतलब है कंप्यूटर, मोबाइल, नेटवर्क और ऑनलाइन डेटा को हैकिंग या साइबर हमलों से सेफ रखना. इसमें यह देखा जाता है कि कोई गलत व्यक्ति किसी सिस्टम में घुसकर डिटेल्स चोरी न कर सके. इस क्षेत्र में काम करने वाले प्रोफेशनल्स सिस्टम की सुरक्षा जांचते हैं, कमजोरियों को ढूंढते हैं और उन्हें ठीक करने का काम करते हैं.

किन सरकारी विभागों में मिल सकती है नौकरी

अगर आप साइबर सिक्योरिटी में करियर बनाना चाहते हैं, तो कई सरकारी विभाग ऐसे हैं जहां इस फील्ड के लोगों की जरूरत पड़ती है.

बैंकिंग सेक्टर: सरकारी बैंकों में साइबर फ्रॉड रोकने के लिए साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स की जरूरत होती है. बैंक अपने ग्राहकों के डेटा और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन को सेफ रखने के लिए ऐसे प्रोफेशनल्स को नियुक्त करते हैं.

पुलिस और चेक एजेंसियां: आजकल साइबर क्राइम तेजी से बढ़ रहे हैं. ऐसे में साइबर सेल और जांच एजेंसियों में साइबर एक्सपर्ट्स की डिमांड रहती है. यहां डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन स्कैम और हैकिंग मामलों की जांच की जाती है.

रेलवे, डिफेंस और सरकारी मंत्रालय: सरकारी सिस्टम और जरूरी डेटा को सुरक्षित रखने के लिए रेलवे, रक्षा विभाग और कई मंत्रालयों में साइबर सिक्योरिटी टीम काम करती है. यहां सिस्टम मॉनिटरिंग और डेटा प्रोटेक्शन जैसे काम होते हैं. **पब्लिक सेक्टर कंपनियां:** कई सरकारी कंपनियां और इंस्टीट्यूट भी साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की भर्ती करते हैं. इसमें नेटवर्क सिक्योरिटी, डेटा मैनेजमेंट और सिस्टम सेफ्टी का काम दिया जाता है.



कम उम्र में बच्चों को क्यों सिखनी चाहिए कोडिंग, ये हैं बड़े कारण

आज के एआई दौर में बच्चों को 10 साल की उम्र से पहले कोडिंग क्यों सीखनी चाहिए. जानिए उम्र के अनुसार कोडिंग सीखने का सही तरीका और बच्चों के दिमाग को तेज बनाने वाले बड़े कारण.

आज के समय में हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई से लेकर हर एक्टिविटी में आगे रहे. आजकल टेक्नोलॉजी और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का दौर है. ऐसे में बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करना बहुत जरूरी हो गया है. इसी को ध्यान में रखते हुए बच्चों को 10 साल की उम्र से पहले ही कोडिंग सिखाना शुरू कर देना चाहिए. कोडिंग सिर्फ कंप्यूटर की भाषा नहीं है, बल्कि यह बच्चों के दिमाग को तेज बनाने का एक बेहतरीन जरिया है. आइए जानते हैं कि छोटी उम्र में कोडिंग सिखना बच्चों के लिए क्यों जरूरी है और इसके क्या फायदे हैं.

कोडिंग क्या है और क्यों है भविष्य की जरूरत?

कोडिंग को आसान शब्दों में कहें तो यह कंप्यूटर से अपनी बात मनवाने या उसे निर्देश देने की भाषा है. आज के दौर में कोडिंग सीखना कभी भी जल्दी नहीं होता. एआई के इस समय में बच्चों में सोचने और किसी भी समस्या को सुलझाने की क्षमता का होना बहुत जरूरी है. आज के समय में कोडिंग केवल एक टेक्निकल स्किल नहीं रह गई है, बल्कि यह जीवन में आगे बढ़ने के लिए एक जरूरी माध्यम बन चुकी है.

उम्र के हिसाब से कैसे सीखें कोडिंग?

बच्चों को उनकी उम्र और क्लास के हिसाब से ही कोडिंग सिखानी चाहिए, ताकि उन पर कोई दबाव न पड़े. इसे तीन अलग-अलग स्तरों में समझा जा सकता है.



क्लास 1 से 3 (6-8 साल) शुरुआती स्तर
इस उम्र में बच्चों को कोड लिखना नहीं होता. वे Scratch जैसे आसान टूल्स की मदद से गेम और

एनिमेशन बनाना सीखते हैं. इससे वे चीजों के पीछे का लॉजिक और पैटर्न समझने लगते हैं. **क्लास 4 से 6 (9-11 साल)**
असली प्रोजेक्ट्स: इस स्टेज पर बच्चे Python, बेसिक वेब डेवलपमेंट और रोबोटिक्स जैसी चीजें सीखते हैं. वे खुद का कैलकुलेटर, वेबसाइट या कोई छोटा गेम बनाना शुरू कर देते हैं.

क्लास 7 और उससे आगे एडवांस लेवल
यहां बच्चे डेटा स्ट्रक्चर, एआई की बेसिक बातें और कॉम्प्यूटिंग प्रोग्रामिंग सीखते हैं. जो बच्चे बचपन से कोडिंग सीख रहे होते हैं, वे इस लेवल पर बहुत आत्मविश्वासी नजर आते हैं.

कम उम्र में कोडिंग सिखाने के बड़े कारण

दिमाग के विकास की सही उम्र

6 से 12 साल की उम्र के बीच बच्चों का दिमाग बहुत तेजी से विकसित होता है. इस दौरान वे लॉजिकल थिंकिंग और पैटर्न को बहुत जल्दी पकड़ते हैं. इस उम्र में कोडिंग सीखने से उनके सोचने का तरीका बेहतर होता है.

समस्याओं को सुलझाने की क्षमता

एक रिसर्च (मेटा-एनालिसिस) में पाया गया कि जो बच्चे छोटी उम्र से कोडिंग करते हैं, उनकी प्लानिंग करने और किसी भी समस्या का हल निकालने की क्षमता दूसरों से बेहतर होती है.

बढ़ता है आत्मविश्वास

जब बच्चे अपने हाथों से छोटे-छोटे गेम्स या प्रोजेक्ट्स बनाते हैं, तो उनका हौसला बढ़ता है. यही आत्मविश्वास आगे चलकर उन्हें पढ़ाई और करियर में बड़ी सफलता दिलाता है.

यूजर नहीं, 'क्रिएटर'

बनते हैं बच्चे

कोडिंग सीखने के बाद बच्चे सिर्फ मोबाइल या कंप्यूटर पर गेम खेलने वाले (यूजर) नहीं रहते. वे खुद के ऐप्स, गेम्स और वेबसाइट्स बनाने वाले (क्रिएटर) बन जाते हैं. इससे उनकी

क्रिएटिविटी बाहर आती है.

भविष्य की नौकरियों के लिए तैयारी

आज जो बच्चे पहली क्लास में हैं, वे साल 2040 के आसपास नौकरी की दुनिया में कदम रखेंगे. आने वाले सालों में करोड़ों नई नौकरियां पैदा होंगी जो पूरी तरह से एआई और टेक्नोलॉजी पर टिकी होंगी. ऐसे में कोडिंग जानने वाले बच्चों के लिए आगे बढ़ना बहुत आसान होगा.



3 साल की डिग्री का क्रेज डाउन, टेक इंडस्ट्री में धूम मचा रहे हैं ये 6 महीने वाले शॉर्ट टर्म कोर्स



एक समय था जब टेक इंडस्ट्री में नौकरी पाने के लिए लबी-चौड़ी डिग्री जरूरी मानी जाती थी. लोग 3 साल की BCA, BSc IT या 4 साल की BTech डिग्री के पीछे भागते थे. लेकिन अब कहानी पूरी तरह बदल चुकी है. आज की कंपनियां यह नहीं पुछती कि आपने कितने साल पढ़ाई की, बल्कि यह देखती हैं कि आपको काम कितना आता है. AI, Automation और तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के दौर में पुराने कॉलेज सिलेबस काफी पीछे छूट चुके हैं. यही वजह है कि अब 6 महीने वाले जॉब-ओरिएंटेड और स्किल बेस्ड कोर्स युवाओं की पहली पसंद बनते जा रहे हैं. कम समय, कम खर्च और जल्दी नौकरी. यही नया फॉर्मूला है.

वेब डेवलपमेंट

आज हर बिजनेस को वेबसाइट और ऐप चाहिए. ऐसे में Web Development सबसे ज्यादा डिमांड वाला कोर्स बन चुका है. इस कोर्स में फ्रंटएंड और बैकएंड दोनों सिखाए जाते हैं. यानी वेबसाइट दिखेगी कैसी और अंदर से काम कैसे करेगी, दोनों चीजों की ट्रेनिंग मिलती है. इसमें React, JavaScript, Node.js और Database Management जैसी हाई डिमांड स्किल्स सिखाई जाती हैं. सबसे बड़ी बात यह है कि इस कोर्स के बाद फ्रेशर भी अच्छी सैलरी वाली नौकरी पकड़ सकते हैं. इस फील्ड में Full Stack Developer, Frontend Engineer और बैकएंड डेवलपर जैसे शानदार करियर ऑप्शन मौजूद हैं.

Data Analytics और Gen AI

बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने यूजर्स का डेटा समझने के लिए एक्सपर्ट्स की तलाश में रहती हैं. यही वजह है कि Data Analytics with Generative AI इस समय सबसे तेजी से बढ़ने वाला कोर्स बन चुका है. इसमें Python, SQL, Power BI और AI Tools पर काम करना सिखाया जाता है. साथ ही Prompt Engineering और Automation की ट्रेनिंग भी दी जाती है. यानी कम मेहनत में स्मार्ट तरीके से काम करना. इस कोर्स के बाद Data Analyst, BI Expert और Junior Data Scientist जैसी प्रोफाइल्स पर नौकरी मिलने के चांस काफी बढ़ जाते हैं.

Cloud Computing और DevOps की डिमांड

अब कंपनियां अपने ऑफिस में बड़े-बड़े सर्वर रखने के बजाय Cloud Platforms का इस्तेमाल कर रही हैं. AWS, Microsoft Azure और Google Cloud जैसी टेक्नोलॉजी इस समय पूरे मार्केट पर राज कर रही हैं. Cloud Computing और DevOps कोर्स में सिखाया जाता है कि ऑनलाइन सर्वर कैसे मैनेज किए जाते हैं और सॉफ्टवेयर को ऑटोमेटेड तरीके से कैसे लॉन्च किया जाता है. अच्छी बात यह है कि इसमें बहुत ज्यादा

कोडिंग की जरूरत नहीं होती. इसलिए कई नॉन-कोडिंग स्टूडेंट्स भी इस फील्ड में शानदार करियर बना रहे हैं.

हर कंपनी को Cyber security की जरूरत

जैसे-जैसे दुनिया ऑनलाइन हो रही है, वैसे-वैसे साइबर क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है. बैंकिंग, शॉपिंग, सोशल मीडिया और सरकारी डेटा तक को हैकर्स निशाना बना रहे हैं. ऐसे में Cybersecurity Experts की डिमांड रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है. इस कोर्स में Ethical Hacking, Network Security और Data Protection जैसी स्किल्स सिखाई जाती हैं. यहां पढ़ाई से ज्यादा प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर फोकस होता है. Cybersecurity Analyst और Ethical Hacker जैसी नौकरियों में शानदार सैलरी भी मिलती है.

UI/UX Design बना सबसे दमदार

हर कोई कोडिंग करना पसंद नहीं करता. लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि टेक इंडस्ट्री में आपके लिए जगह नहीं है. UI/UX Design ऐसा कोर्स है जिसमें बिना कोडिंग के भी शानदार करियर बनाया जा सकता है. इसमें सिखाया जाता है कि कोई ऐप या वेबसाइट देखने में कैसी लगे और यूजर उसे कितनी आसानी से इस्तेमाल कर सके.

रांची में भी भारत का दबदबा!, ये पांच खिलाड़ी मचा सकते हैं तबाही

○ **एजेंसी,दुबई।**

पहले टी20 मुकाबले में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अब सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टी20 मुकाबला शुक्रवार को रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में दूसरे टी20 में भी कुछ भारतीय खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। ये खिलाड़ी एक बार फिर वेस्टइंडीज के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

अभिषेक शर्मा

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत की थी। उन्होंने महज 10 गेंदों में 21 रन बनाए, लेकिन अपनी पारी को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। दूसरे मुकाबले में अभिषेक की नजरें बड़ी पारी खेलने पर होंगी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस साल 30 टी20 मुकाबलों में 205 के स्ट्राइक रेट से 832 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक



शतक और सात अर्धशतक निकले हैं। अगर अभिषेक क्रीज पर टिक गए तो वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना आसान नहीं होगा।

ईशान किशन

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के लिए 2026 का साल टी20 क्रिकेट में शानदार रहा है। वह भारत की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से ज्यादा टी20 रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बने हैं। ईशान ने इस साल 30 टी20 मुकाबलों में 168 के स्ट्राइक रेट से 1042 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और सात अर्धशतक हैं। रांची में भी ईशान से तेज शुरुआत की उम्मीद होगी। अगर वह लय में आते हैं तो कैरेबियाई गेंदबाजों की मुश्किल

बढ़ सकती है।

श्रेयस अय्यर

टीम इंडिया के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले मुकाबले में शानदार शतक जड़कर अपनी फॉर्म का संकेत दे दिया है। लखनऊ में उन्होंने महज 43 गेंदों में 102 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। अय्यर जब लय में होते हैं तो उन्हें रोकना गेंदबाजों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में भारतीय टीम प्रबंधन को दूसरे टी20 में भी कप्तान से एक और बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

कुलदीप यादव

गेंदबाजी में कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकते हैं। पहले टी20

में कुलदीप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट हासिल किए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ कुलदीप का रिकॉर्ड भी प्रभावशाली है। उन्होंने कैरेबियाई टीम के खिलाफ अब तक 10 टी20 मुकाबलों में 19 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट सिर्फ 6.52 रहा है। रांची की पिच पर स्पिनरों को मदद मिलने की स्थिति में कुलदीप एक बार फिर अहम भूमिका निभा सकते हैं।

नमन धीर

टी20 डेब्यू में ही प्रभाव छोड़ने वाले नमन धीर पर भी दूसरे मुकाबले में नजरें रहेंगी। रांची की धीमी पिच पर उनकी स्पिन गेंदबाजी वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए

फुटबॉल: जेलजकोविच के गोल से मोहन बागान ने जीता 22वां आईएफए शील्ड खिताब, ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराया

○ **एजेंसी,कोलकाता।**

मोहन बागान सुपर जायंट ने कोलकाता डर्बी में ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराकर आईएफए शील्ड का खिताब अपने नाम कर लिया। गुरुवार को विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए रोमांचक फाइनल में बोस्नियाई मिडफील्डर समीर जेलजकोविच ने 45वें मिनट में निर्णायक गोल किया। इस जीत के साथ मोहन बागान ने 22वीं बार आईएफए शील्ड का खिताब अपने नाम किया। साथ ही टीम ने करीब पांच दशक बाद एक ही सत्र में कलकत्ता फुटबॉल लीग और आईएफए शील्ड दोनों खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले मोहन बागान ने 1976 में यह उपलब्धि हासिल की थी, तब दिवंगत पीके बनर्जी टीम के कोच थे।

हाफ टाइम से ठीक पहले जेलजकोविच ने किया गोल

मुकाबले का पहला हाफ काफी कड़ा रहा और दोनों टीमों को गोल के लिए संघर्ष करना पड़ा। हालांकि हाफ टाइम से ठीक पहले मोहन बागान ने बढ़त बना ली। 45वें मिनट में साहल अब्दुल समद ने जेलजकोविच की ओर चिप पास खेला। जेलजकोविच ने गेंद को छाती से नियंत्रित किया और इसके बाद शांत दिमाग से गेंद को ईस्ट बंगाल के गोलकीपर के पार पहुंचाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दूसरे हाफ में ईस्ट बंगाल ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन मोहन बागान की रक्षापंक्ति को भेदने में



डूरंड कप फाइनल की हार का लिया बदला

मोहन बागान के लिए यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि इसी सत्र के डूरंड कप फाइनल में ईस्ट बंगाल ने उसे 4-1 से करारी शिकस्त दी थी। उस मुकाबले के बाद आईएफए शील्ड के फाइनल में जीतने मोहन बागान को उस हार का बदला लेने का मौका दिया। इस बार मोहन बागान का प्रदर्शन भले ही बेहद आक्रामक नहीं रहा, लेकिन टीम ने पूरे मुकाबले में बेहतर नियंत्रण और रक्षात्मक अनुशासन दिखाया।

ईस्ट बंगाल का आक्रामक खेल फाइनल में नहीं चला

ईस्ट बंगाल ने फाइनल तक के सफर में शानदार प्रदर्शन किया था। सेमीफाइनल में टीम ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 7-2 से हराया था। उस मुकाबले में डेविड लालहंसांग ने हैट्रिक लगाई थी। हालांकि फाइनल में ईस्ट बंगाल की वही आक्रामक लय नजर नहीं आई। टीम के मुख्य कोच एंटोनियो हाबास के लिए यह नतीजा निराशाजनक रहा होगा, खासकर तब जब इंडियन सुपर लीग का नया सत्र कुछ ही दिनों में शुरू होने वाला है।

पेनल्टी शूटआउट के बाद फाइनल में पहुंचा था मोहन बागान

मोहन बागान को फाइनल तक पहुंचने के लिए काफी मुश्किल रास्ते से गुजरना पड़ा था। सेमीफाइनल में पंजाब एफसी के खिलाफ मुकाबला निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय के 30 मिनट के बाद भी गोलरहित रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में मोहन बागान ने 4-3 से जीत दर्ज की। गोलकीपर विशाल कैथ ने इस जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

लगातार दूसरी बार फाइनल में भिड़ीं दोनों टीमें

ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के बीच यह आईएफए शील्ड फाइनल में लगातार दूसरी भिड़ंत थी। पिछले साल भी दोनों टीमें खिताबी मुकाबले में आमने-सामने थीं, जहां मोहन बागान ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की थी। 2026 का यह मुकाबला दोनों टीमों के बीच इस साल की पांचवीं भिड़ंत थी। लगातार बड़े मुकाबलों में आमना-सामना होने से इस ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता की तीव्रता और बढ़ गई है। आईएफए शील्ड की यह जीत मोहन बागान के लिए नए आईएसएल सत्र से पहले बड़ा मोनेबल बढ़ाने वाला परिणाम है। वहीं ईस्ट बंगाल की नजर अब आगामी आईएसएल सत्र पर होगी, जहां टीम अपने खिताब के बचाव के लिए मैदान में उतरेगी।

नाकाम रहा। मुकाबले के अंतिम बंनाने की कोशिश की, लेकिन उसे मिनटों में भी ईस्ट बंगाल ने दबाव बराबरी का गोल नहीं मिला।

'ये जवानी है दीवानी' की लारा ने खोला मदरहुड का राज

अभिनेत्री और मॉडल एवलिन शर्मा ने हाल ही में मां बनने के बाद अपनी जिंदगी में आए बदलावों और उससे मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि मां बनने



के बाद उन्हें समझ आया कि हर चीज को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश करने के बजाय कई बार हालात को वैसे ही स्वीकार करना चाहिए और उनके साथ आगे बढ़ना चाहिए।

एवलिन ने खास तौर पर बच्चों की छोटी-छोटी शरारतों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे एक समय उन्हें बच्चों की हरकत पर गुस्सा आया, लेकिन बाद में उसी चीज को उन्होंने अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया। मां बनने के अनुभव के बारे में बात करते हुए एवलिन ने कहा, “मां बनने के बाद मैंने एक बात सीखी है कि आपको इस उथल-पुथल को अपनाना होगा और हालात के साथ आगे बढ़ना होगा। जब मेरे बच्चों ने अलमारी पर झड़ंग बनाना शुरू किया, तो शुरुआत में मैं काफी परेशान हो गई थी। मुझे बच्चों का अलमारी पर झड़ंग करना बिल्कुल पसंद नहीं आया और मैं इस बात से नाराज थी। लेकिन कुछ समय बाद जब मैंने बच्चों की बनाई हुई झड़ंग को ध्यान से देखा, तो मेरा नजरिया बदल गया।”

अभिनेत्री ने कहा, “मुझे एहसास हुआ कि बच्चे सही थे। थोड़े रंगों से

अलमारी और अच्छी दिखने लगी थी। बच्चों की शरारत को रोकने के बजाय मैंने उसे एक

विजय देवरकोंडा सेट पर बेहद समर्पित रहते हैं, उनसे बहुत कुछ सीखती हूं : रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी झूमा फिल्म ‘रणबाली’ में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ‘आस्क मी एनीथिंग’ सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर ‘एनिमल’ फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, रहाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा? इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, रहमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूं तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की



तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। इससे पहले ‘रणबाली’ के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, “जब मैं ‘रणबाली’ लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया।” उन्होंने आगे कहा, “उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैंने पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो।” इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ‘रणबाली’ की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, “130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊज्ज्वल टीम का धन्यवाद।”

नाना पाटेकर: कैसे विश्वनाथ से नाना बने अभिनेता

गोवा के मणिपाल अस्पताल में अभिनेता नाना पाटेकर को सुबह 5:20 बजे मेडिकल टीम ने मृत घोषित किया। उन्हें गंभीर सीने में दर्द की शिकायत के बाद मेडिकल टीम को उनके फ्लैट पर भेजा गया था, जहां वे बेहोशी की हालत में मिले। मौके पर उन्हें कार्डियक मसाज दिया गया और अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में मेडिकल टीम ने उन्हें सुबह 5:20 बजे मृत घोषित कर दिया। मामला मेडिको-लीगल केस होने के कारण आज पोस्टमार्टम किया जाएगा।

यहां जानें अभिनेता के जीवन से जुड़े कुछ खास किस्से ...

नाना पाटेकर का असली नाम क्या था?

उनका असली नाम विश्वनाथ पाटेकर है। बचपन में उनकी एक छोटी बहन उन्हें प्यार से 'नाना' कहकर बुलाती थी, और बाद में यही नाम उनकी पहचान बन गया। उनके पासपोर्ट और आधार कार्ड पर भी 'नाना पाटेकर' ही दर्ज है।

सिर्फ 750 रुपये में हुई थी शादी

साल 1978 में उन्होंने थिएटर कलाकार नीलकांती पाटेकर से शादी की थी। उस समय उनकी शादी का कुल खर्च



सिर्फ 750 रुपये आया था। शादी के शुरुआती दिनों में नीलकांती एक बैंक में अधिकारी थीं और उनकी सैलरी 2500 रुपये महीना हुआ करती थी, जबकि नाना को तब एक शो के लिए मात्र 50 रुपये मिलते थे।

18 साल की उम्र में फिल्मी पोस्टर पेंट करते कमाए पैसे

नाना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के बाद उन्होंने करीब 13 साल की उम्र में काम शुरू किया। स्कूल के बाद वे लगभग

8 किलोमीटर पैदल चलकर चुनाभट्टी जाते थे और फिल्मी पोस्टर पेंट करते थे। इसके बदले उन्हें 35 रुपये मिलते थे। और दिन में एक वक्त का खाना मिलता था। नाना ने कहा कि उस दौर की भूख और बेइज्जती ने उन्हें जिंदगी और अभिनय के बारे में बहुत कुछ सिखाया।

सेना से गहरा लगाव और 'प्रहार' फिल्म की ट्रेनिंग

साल 1991 में आई अपनी फिल्म 'प्रहार: द फाइनल अटैक' का निर्देशन करने और उसमें फौजी का किरदार निभाने के

लिए नाना पाटेकर ने भारतीय सेना के साथ कड़ा सैन्य प्रशिक्षण (अर्सेल व्जैल्लल्लें) लिया था। वे असल जिंदगी में भी सेना और जवानों का बहुत सम्मान करते हैं।

बड़े बेटे के जाने का सदमा

नाना पाटेकर के बड़े बेटे का बचपन में ही निधन हो गया था, जिससे वे अंदर तक टूट गए थे। बाद में उनके छोटे बेटे मल्हार पाटेकर के जन्म से उनके जीवन में दोबारा खुशियां आईं। मल्हार ने अभिनय के बजाय फिल्म निर्माण और निर्देशन के क्षेत्र को चुना है।

कारगिल युद्ध के दौरान करीब 60 दिन सेना के साथ रहे

नाना ने बताया था कि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस से अनुमति लेकर सेना के जवानों के साथ करीब 60 दिन बिताए थे। उनके मुताबिक, वे एक त्वरित प्रतिक्रिया दल के साथ भी रहे थे। उन्होंने ऑपरेशनल जानकारी साझा करने से इनकार किया।

पिता के इलाज के पैसे जुटाने के लिए नाटक करते रहे

नाना ने एक भावुक इंटरव्यू में बताया था



उनकी कला और जिंदगी पर कितना गहरा असर पड़ा। उन्होंने लिखा, “सिर्फ एक महान कलाकार ही नहीं, बल्कि आम आदमी की भावनाओं, उसकी चुभती हुई पीड़ा, उसकी बेबसी और उसकी आवाज को अभिव्यक्त करने वाला एक शख्स चला गया। एक बेहद संवेदनशील, साहसी और महान आत्मा हमें छोड़कर चली गई। आज सुबह आंख खुलते ही नाना पाटेकर सर के निधन की बेहद दुखद खबर मिली। इस पर यकीन करना मुश्किल हो रहा है। मैं इस समय यूके में शूटिंग कर रहा हूँ और हजारों मील दूर होने के बावजूद एक अजीब सी बेबसी महसूस कर रहा हूँ। कुछ समय पहले ही मुझे उनके साथ एक फिल्म में काम करने का मौका मिला था। आज उनके साथ बिताया समय, हमारी बातचीत और उनकी बार-बार कही गई कई बातें बहुत याद आ रही हैं।”

कि उनके पिता अस्पताल में भर्ती थे और उनके पास इलाज के पैसे नहीं थे। पिता की दवाइयों के लिए वे नाटक करते रहे। उन्होंने उस दौर को याद करते हुए कहा कि एक तरफ पिता की हालत थी और दूसरी तरफ उन्हें मंच पर जाना पड़ता था।

खेत में किसान की तरह काम करना और खाना बनाना था पसंद

फिल्मों से दूर समय में नाना पुणे के पास अपने फार्महाउस पर खेती करते रहे थे। उन्होंने बताया था कि उनके पास करीब 10 एकड़ जमीन है, जहां वे खुद खेत जोतते और भैंसों की देखभाल करते थे। खाना बनाना भी उन्हें बेहद पसंद था और मजाक में उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि वे अभिनेता से बेहतर कुक हैं।

'परिदा' की शूटिंग में सचमुच जल गए थे नाना

'परिदा' के क्लाइमैक्स में आग वाला सीन असली आग के साथ शूट किया गया था। नाना के मुताबिक, वे वास्तव में आग की चोपट में आ गए और उनकी त्वचा, दाढ़ी, मूंछ, भौंह और पलकों तक जल गईं। उन्होंने बताया कि उन्हें करीब 60 दिन अस्पताल में रहना पड़ा और लगभग छह महीने आराम करना पड़ा था।